संस्कृत साहित्य (कोड - 1222)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 150**

समय : 3 घंटे अधिकतम अंक : 150

नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के **अंक समान** हैं। **प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य** है। **खण्ड-I** से **दो** प्रश्नों तथा **खण्ड-II** से **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के खण्डों का उत्तर एक साथ दीजिए।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** के उत्तर दीजिए : [7.5x4=30]

(अ) निम्नलिखितेषु संस्कृतेन सूत्रोल्लेखपूर्वकं विग्रह प्रदर्शन सहितं समास नाम विलिख्यताम्-

नीलोत्पलम्, अतिहिमम्, तीर्थकाकः, जञ्चगुः, सुन्दरवचूकः

(आ) भारतीयसंस्कृतौ गुरुकुलशिक्षापरम्परायाः स्वरूपं प्रतिपादयत।

(इ) अधोलिखितेषु वाक्येषु वाच्यपरिवर्तनं विधीयताम्-

(i) रामो ग्रामं गच्छति।

(ii) मया रामायणमपाठि।

(iii) सः ग्रामाद् धेनुमानयेत्।

(iv) अस्माभिः दुग्धं पीतम्।

(v) श्रीकृष्णेन कंसो हतः।

(ई) निम्नलिखितेषु कयोश्चिद् द्वयोः सन्दर्भनिर्देशपूर्वकं व्याख्या विधीयताम्-

(i) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे।।

(ii) यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ।
समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते।।

(iii) सर्वर्तुकुसुमै रम्यैः फलवाद्भिश्च पादपैः।
पुष्पितानामशोकानां श्रिया सूर्योदयप्रभाम्।
प्रदीप्तामिव तत्रस्थो मारुतिः समुदैक्षत।
निष्पत्रशाखां विहगैः क्रियमाणामिवासकृत्।।

(उ) अधोनिर्दिष्टेषु कयोश्चिद् द्वयोर्विषययोः टिप्पणी संस्कृतभाषया लेख्या-

(i) कालिदास कृतं कुमारसम्भवम्।

(ii) विशाखदत्तरचितं मुद्राराक्षसम्।

(iii) भास कृतं स्वप्नवासवदत्तम्।

(ऊ) न्यायदर्शनस्य षोडशपदार्थानां विमर्शः करणीयः।

(ऋ) दशरूपकाणां लक्षणानि प्रतिपाधन्ताम्।

खण्ड-I

2\. (अ) निम्नलिखित अवतरण के आधार पर इसके नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए- [15]

यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्र जल प्रक्षालन निर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झित धवलतापि सरागैव भवति पूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद् भूतरजो भ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेक्षया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयम् उपभोगमृगतृष्णिका नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाणयास्वाद्यमानाति मधुर तराण्यापतन्ति मनसः।

(i) कदा बुद्धिः कालुष्यमुपयाति ?

(ii) पूनां दृष्टिः कीदृशी भवति ?

(iii) यौवन समये प्रकृतिः पुरुषं कचं क्वच अपहरति?

(iv) इन्द्रियहरिण हारिणी का वर्तते ?

(v) मनसः कृते विषय स्वरूपाणि कय मास्वाद्यमानानि भवन्ति ?

(आ) निम्नलिखित अवतरण का संस्कृत में अनुवाद कीजिए- [15]

कहा जाता है कि श्रीमद भगवद्गीता पर भिन्न-भिन्न युगों में लिखी गयी टीकाओं की संख्या तीन हजार से भी अधिक है। टीका का उद्देश्य मूल ग्रन्थ के अर्थ को उदाहरणों द्वारा व्याख्यात करना होता है। एक स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि उन अनेक टीकाओं में कौन-सी सर्वोत्तम है और विषय पर अधिक से अधिक प्रकाश डालती है। मेरी समझ में गीता पर आचार्य शङ्कर की टीका सर्वोत्तम है। अद्यतन युग में बालगङ्गाधर तिलक जी की टीका अधिक उपादेय हो सकती है। महात्मा गाँधी का जीवन-दर्शन श्रीमद्भगवद्गीता पर आधृत रहा है। अतः भगवद् गीता की सर्वोत्तम टीका महात्मा गाँधी का जीवन दर्शन है।

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर **250** शब्दों में संस्कृत में निबन्ध लिखिए- [30]

(अ) सर्वस्य मातरो गावः।

(आ) बौद्ध दर्शने निर्वाणस्वरूपम्।

(इ) काव्येषु नाटकं रम्यम्।

(ई) योगः कर्मसु कौशलम्।

4. मीमांसादर्शन के सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए। [30]

खण्ड-II

5. भवभूति के नाटकों का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए। [30]

6. प्रशासन के क्षेत्र में कौटिल्य के अर्थशास्त्र की विशेषताएं बताइये। [30]

7. मृच्छकटिकम् एक सामाजिक रूपक (नाटक) है। इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए। [30]

----- x -----